यूरोप में राष्ट्रवाद

Set-2

B

Chapter -1

HISTORY

Top 5

Short Questions

Total Objective Questions in Set= 5

xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx

1.इटली के एकीकरण में मेजिनी के योगदान को बतायें।

इटली के एकीकरण में मेजिनी को इटली के एकीकरण का पैगम्बर कहा जाता है। मेजनी साहित्यकार, गणतांत्रिक विचारों का समर्थक और योग्य सेनापति था। मेजनी पूरे इटली का एकीकरण कर उसे एक गणराज्य बनाना चाहता था जबकि सार्डिनिया पिंडमौंट का शासक चार्ल्स एलबर्ट अपने leadership में सभी प्रदेश का मेल चाहता था । उधर पोप भी इटली को धर्मराज्य बनाने का पक्ष में था। इस तरह विचारों के टकराव के कारण इटली के एकीकरण का मार्ग Blocked हो गया था।

2. इटली के एकीकरण में काबूर और गैरीबाल्डी के योगदानों का उल्लेख करें।

इटली का एकीकरण मेजिनी, काबूर और गैरीबाल्डी के सतत प्रयासों से हुआ था।

इटली के एकीकरण में काबूर का योगदान– काबूर का मानना था कि सार्डिनिया के leadership में ही इटली का एकीकरण संभव था इसलिए उसने कोशिश करना सुरू कर दिए। विक्टर एमैनुएल के प्रधानमंत्री के रूप में उसने इटली की आर्थिक और military power मज़बूत की। पेरिस शांति-सम्मेलन में उसने इटली की समस्या को यूरोप का प्रश्न बना दिया। 1859 में फ्रांस की सहायता से ऑस्ट्रिया को पराजित कर उसने लोम्बार्डी पर अधिकार कर लिया। मध्य इटली स्थित अनेक राज्यों को भी सार्डिनिया में मिला लिया गया।

इटली के एकीकरण में गैरीबाल्डी का योगदान-उसका मानना था कि युद्ध के बिना इटली का एकीकरण नहीं होगा। इसलिए, उसने आक्रामक नीति अपनाई। 'लालकुर्ती' और स्थानीय किसानों की सहायता से

उसने सिसली और नेपल्स पर अधिकार कर लिया। इन्हें सार्डिनिया में मिला लिया गया। वह पोप के राज्य पर भी आक्रमण करना चाहता था, परंतु काबूर ने इसकी अनुमति नहीं दी।

3. जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करें।

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने जर्मनी के एकीकरण के उद्देश्य से Brushen shaft' नामक सभा की सुरूआत की। वाइमर राज्य का येना विश्वविद्यालय राष्ट्रीय आंदोलन का केंद्र था। 1834 में जर्मन व्यापारियों ने आर्थिक व्यापारिक समानता के लिए प्रशा के leadership में जालवेरिन नामक आर्थिक संघ(economic union) बनाया जिसने राष्ट्रवादी सामान्य परिवर्तन को बढ़ावा दिया। 1848 ई० में जर्मन राष्ट्रवादियों ने फ्रैंकफर्ट संसद का आयोजन कर प्रशा के राजा फ्रेडरिक विलियम को जर्मनी के एकीकरण के लिए अधिकार दिया लेकिन फ्रेडरिक द्वारा अस्वीकार कर देने से एकीकरण का कार्य रुक गया। फ्रेडरिक की मृत्यु के बाद विलियम प्रथम प्रशा का राजा बना। विलियम राष्ट्रवादी विचारों का पोषक(बढ़ाने वाला) था। विलियम ने जर्मनी के एकीकरण के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर महान बिस्मार्क को अपना चांसलर घोषित किया। बिस्मार्क ने जर्मनी के एकीकरण के लिए "रक्त और लौह की नीति" का शुरुआत किया। इसके लिए उसने डेनमार्क, ऑस्ट्रिया तथा फ्रांस के साथ युद्ध किया। अंत में जर्मनी को 1871 में एक राष्ट्र के रूप में यूरोप के मानचित्र में स्थान पाया।

4. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें।

फ्रेडरिक विलियम चतुर्थ की मृत्यु के बाद प्रशा का राजा विलियम प्रथम बना। वह राष्टवादी था तथा प्रशा के leadership में जर्मनी का एकीकरण करना चाहता था। विलियम जानता था कि आस्टिया और फ्रांस को पराजित किए बिना जर्मनी का एकीकरण संभव नहीं है। अतः उसने 1862 ई० में बिस्मार्क को अपना चांसलर (प्रधानमंत्री) घोषित किया। बिस्मार्क राष्ट्रवादी और कूटनीतिज्ञ था। जर्मनी के एकीकरण के लिए वह किसी भी कदम को अनुचित नहीं मानता था। उसने जर्मन राष्ट्रवादियों के सभी समूहों से संपर्क स्थापित कर उन्हें अपना प्रभाव में लाने का प्रयास किया। बिस्मार्क का मानना था कि जर्मनी की समस्या का समाधान बौद्धिक भाषणों से नहीं, आदर्शवाद से नहीं वरन् प्रशा के नेतृत्व में रक्त और लाह को नीति से होगा। अंत में जर्मनी 1871 ई० में एक राष्ट्र के रूप में यूरोप के मानचित्र पर उभरकर सामने आया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण थी।

5. वियना कांग्रेस की क्या उपलब्धियाँ थी?

वियना कांग्रेस का उद्देश्य नेपोलियन द्वारा यरोप की राजनीति में लाए गए परिवर्तनों को समाप्त करना, गणतंत्र एवं प्रजातंत्र की भावना का विरोध करना एवं प्राचीन व्यवस्था की फिर से शुरू करना था। इसके द्वारा निम्नलिखित परिवतन किए गए

1. फ्रांस को नेपोलियन द्वारा विजित (विजय प्राप्त की) क्षेत्रों को वापस लौटाने को कहा गया।
2. प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमा पर नए महत्त्वपूर्ण क्षेत्र दिए गए। इटली को अनेको छोटे-छोटे राज्यों में विभक्त कर दिया गया।
3. रूस को पोलैंड का एक भाग दिया गया।
4. ब्रिटेन को अनेक क्षेत्र दिए गए।
5. जर्मन महासंघ पर आस्ट्रिया का प्रभाव स्थापित किया गया।
6. नेपोलियन द्वारा पराजित राजवंशों की पुनर्स्थापना की गई।

इस प्रकार वियना कांग्रेस में प्रतिक्रियावादी शक्तियों की विजय हुई, फ्रांसीसी क्रांति की उपलब्धियों को त्याग कर दे दी गई।